प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र : 2 (2024-25)
कक्षा-आठवीं
विषय-हिंदी (Higher)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

- *इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*
- *सभी खंड अनिवार्य हैं।*
- *खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
- *खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित आठ प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
- *खंड 'ग' में पाठ्यपुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
- *खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*
- *प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।*
- *उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।*

खंड-'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (7)

मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य के अभाव में उसका जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ होता है। इस बात को हम एक उदाहरण द्वारा भलीभाँति समझ सकते हैं-एक बार एक दिशाहीन युवक महात्मा जी की कुटिया के पास रुका तथा महात्मा जी के पास जाकर बोला, "यह रास्ता कहाँ जा रहा है?" महात्मा जी ने उससे पूछा, "तुम कहाँ जाना चाहते हो?" युवक ने उत्तर दिया कि वह नहीं जानता कि उसे कहाँ जाना है। तब महात्मा जी ने कहा, "जब तुम्हें पता ही नहीं है कि

तुम्हें कहाँ जाना है तो यह रास्ता कहीं भी जाए इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा?'' इस संवाद का आशय यह है कि जीवन में हम बिना लक्ष्य के इधर-उधर भटकते रहेंगे और कुछ भी प्राप्त करना हमारे लिए असंभव होगा इसलिए सबसे पहले हमें अपना एक लक्ष्य बनाना चाहिए तथा आत्मविश्वास व धैर्य के साथ उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए; तभी हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। हमारे देश में ऐसे अनेक महान व्यक्तियों का जन्म हुआ है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियाँ होने पर भी अपने लक्ष्य को पूरा करने के साथ-साथ संपूर्ण विश्व में भारत को गौरवान्वित किया है। इनमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आदि शामिल हैं।

(i) लक्ष्य के अभाव में जीवन हो जाता है– (1)

(क) दिशाहीन एवं व्यर्थ (ख) व्यर्थ एवं असफल

(ग) दिशाहीन एवं कर्मयुक्त (घ) व्यर्थ एवं दिशाभ्रमित

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1)

कथन (A) : जीवन में हम बिना लक्ष्य के इधर-उधर भटकते रहेंगे।

कारण (R) : लक्ष्यहीन मनुष्य असफल ही होते हैं।

(क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iii) सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है– (1)

(क) ऊँचे लक्ष्य का निर्धारण करना

(ख) लक्ष्य-निर्धारण कर उसे प्राप्त करने के लिए प्रयास करना

(ग) लक्ष्य-निर्धारण कर विपरीत परिस्थितियों की चिंता करना

(घ) लक्ष्य-निर्धारण कर सही पथ बनाना

(iv) विपरीत परिस्थितियों में महापुरुषों ने अपने लक्ष्य को किस प्रकार प्राप्त किया? (2)

(v) महात्मा ने दिशाहीन युवक को क्या समझाया? (2)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (7)

मनुष्यों को बड़ा बनने के लिए विशाल काम करने की ज़रूरत नहीं होती बल्कि प्रत्येक काम में विशालता के चिह्न खोजने पड़ते हैं। अपने अंतर्मन में सदैव जिज्ञासा को जन्म देना होता है। दुनिया में ज्ञान का जो बोलबाला है, उसमें हमारे कौतूहल की केंद्रीय भूमिका है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार अपने साक्षात्कार में कहा था कि हमारी जिज्ञासा ही हमारे अस्तित्व का आधार है। बिना प्रश्न के हमारे जीवन में ना गति आएगी और ना कोई रस होगा। जब हम चिंतन करते हैं, तब नई बातें सामने आती हैं। सवाल करने का ही परिणाम है कि नई तकनीक 'ऑटोमेशन' और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' जैसी चीज़ें आज दुनिया में आ रही हैं। जब हम कहते हैं–क्यों, कैसे, क्या, तब हमारे अंदर की स्नायु प्राण ऊर्जा और संकल्प एक नई गति और उत्साह के साथ नवीनता की यात्रा करने लगते हैं। हमें इस दुनिया की इतनी आदत पड़ चुकी है कि लीक से हटकर सोचना नहीं चाहते। कोई विभिन्नता नहीं, ना ही कोई नवीनता है। यह कैसा जीवन है, जिसमें कोई कौतूहल नहीं, कोई आश्चर्य नहीं है? इस जगत में हमारी स्थिति एक

कीटाणु या विषाणु की तरह है जो अपनी सुखमयी व्यवस्था में पड़े रहते हैं, वे हृदय की आवाज सुनते हैं। जो बड़ा होना चाहते हैं, इस दुनिया और इसकी प्रत्येक घटना, वस्तु एवं स्थिति पर अपना आश्चर्य प्रकट करते हैं। प्रत्येक घटना और वस्तु से परे हटकर सोचने और उसको देखने की कोशिश जो करते हैं, वही बड़ा बनते हैं। जिज्ञासु मन और बुद्धि ही दर्शन और विज्ञान की दुनिया बनाते हैं।

(i) प्रत्येक काम में विशालता के चिह्न खोजने से लेखक का क्या अभिप्राय है– (1)

(क) बड़ी सोच व्यक्ति को बड़ा बनने की प्रेरणा देती है

(ख) प्रत्येक काम को महत्त्व देकर गहराई से समझें

(ग) प्रत्येक काम को करने के लिए सदैव तत्पर रहें

(घ) प्रत्येक काम का आयोजन बड़े पैमाने पर करें

(ii) लीक से हटकर सोच विकसित करने के लिए आवश्यक है–

(क) सुखमय व्यवस्था (ख) हृदय की आवाज़ सुनना

(ग) अंतर्मन में सदैव जिज्ञासा (घ) दर्शन और विज्ञान की दुनिया

(iii) जिज्ञासा ही हमारे अस्तित्व के आधार की परिचालक है, क्योंकि यह–

(क) व्यक्ति को नए जमाने का वैज्ञानिक दर्शाती है।

(ख) व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से क्रियाशील रखती है।

(ग) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता दर्शाती है।

(घ) विश्वव्यापी स्तर पर स्थिति निर्धारित करती है।

(iv) गद्यांश के आधार पर प्रश्न हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, कैसे?

(v) महान बनने की इच्छा रखने वाले मनुष्य किस प्रकार का दृष्टिकोण रखते है?

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए– (1)

(i) बधन (ii) मुह

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए– (1)

(i) स्वण (ii) भष्ट

(ग) 'सद्भाव' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द बताइए। (1)

(घ) 'आपा प्रत्यय में उचित शब्द जोड़कर नया शब्द बनाइए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) 'तरु' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(ख) 'साकार' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। (1)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– (1)

अनुकरण करने योग्य –

5. (क) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए– (1)

एक + एक

(ख) 'उन्मेष' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। (1)

6. (क) नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए– (2)

(i) प्रत्येक घर (ii) चार मुख हैं जिसके (ब्रह्मा)

(ख) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास का भेद लिखिए– (1)

(i) पढ़ाई-लिखाई

7. (क) रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए– (1)

शशि की वह पुस्तक फट गई जो उसके मामा लाए थे।

(ख) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए– (1)

राधा कुछ न कर सकी।

8. (क) रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूर्ण कीजिए– (1)

जहाँ किसी बात को इतना बढ़ा-चढ़ाकर कहा जाए अथवा किसी की प्रशंसा इतनी बढ़ा-चढ़ाकर की जाए कि वह लोक सीमा के बाहर हो, तो वहाँ ... . है।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए– (1)

नील गगन-सा हृदय शांत हो गया।

9. निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम चिह्न लगाइए– (2)

दादी दादी मम्मी ने आपकी साड़ियाँ प्रेस करवाकर भेजी हैं।

10. उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– (2)

(क) जुम्मन ने सारी जायदाद अपने नाम करवा ली और किसी को ....।

(ख) स्वार्थी लोग अपना .... के लिए मित्रों को भी धोखा देने से नहीं चूकते।

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1×5=5)

हैदराबाद में सरोजिनी नायडू ने यह लेख पढ़ा और उन्हें बहुत बुरा लगा कि गाँधी जी ने अपनी पत्नी का इस तरह सबके सामने, अपने लेख में, अपमान किया। आश्रम में आकर उन्होंने गाँधी जी से अपना गुस्सा व्यक्त किया।

गाँधी जी ने कहा, "सरोजिनी देवी, यह नाराज़ होने की बात नहीं है। मैं इसे बड़ी खुशी का दिन मानता हूँ। भगवान ने मुझे एक बड़े पाप से बचा लिया। आज मैं अपने नज़दीकी रिश्तेदारों के दोष नहीं बताता, तो कल सारे आश्रम में यह बात फैल जाती और धीरे-धीरे भ्रष्टाचार हमारे सारे जीवन को खा जाता।" गाँधी जी छोटी-से-छोटी भूल के सार्वजनिक प्रायश्चित में विश्वास करते थे। इसमें वे पत्नी, पुत्र, मित्र, किसी को क्षमा नहीं करते थे।

(क) सरोजिनी नायडू गाँधी जी से गुस्सा क्यों हुई?

(i) गाँधी जी द्वारा लेख लिखने के कारण

(ii) लेख में हुए अपने अपमान के कारण

(iii) कस्तूरबा गाँधी की प्रशंसा सार्वजनिक करने के कारण

(iv) गाँधी जी द्वारा कस्तूरबा गाँधी के दोष को उजागर करने के कारण

(ख) गाँधी जी के अनुसार भ्रष्टाचार को समाप्त करने का प्रथम सोपान क्या है?

(i) अपने संबंधियों के दोष छिपाना

(ii) स्वयं के दोष छिपाना

(iii) अपने दोष छिपाकर संबंधियों के दोष बताना

(iv) किसी के भी दोष को नहीं छिपाना

(ग) 'सार्वजनिक प्रायश्चित' से गाँधी जी का क्या अभिप्राय है?

(i) परिवार के साथ मिलकर क्षमा माँगना

(ii) सबके दोषों को गुप्त रूप से बताना

(iii) सबके दोषों को छिपाकर प्रायश्चित करना

(iv) सार्वजनिक रूप से दोषों को स्वीकार करके क्षमा माँगना

(घ) उपर्युक्त गद्यांश में गाँधी जी के किस सिद्धांत को उजागर किया गया है?

(i) न्याय करते समय सबको समान दृष्टि से देखना चाहिए।

(ii) समय-समय पर लेख लिखना चाहिए।

(iii) सार्वजनिक रूप से अपनों का अपमान करना चाहिए।

(iv) अपनों के दोष छिपाने चाहिए।

(ङ) गाँधी जी के लिए सबसे बड़ी खुशी का दिन कौन-सा है?

(i) पत्नी का दोष उजागर करके भ्रष्टाचार के पाप से बच जाना।

(ii) जब उन्होंने पत्नी के दोष को सार्वजनिक किया।

(iii) जब वे रिश्तेदारों के दोषों को छिपाने में सफल हुए।

(iv) सारे आश्रम में भ्रष्टाचार की बात फैल जाना।

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1x5=5)

सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनौ नीलमनि सैल पर, आतप परयो प्रभात।।
जप माला छापै तिलक, सरै न एकौ काम।
मन काँचे नाचै वृथा, साँचे राँचे राम।।।

(क) भक्ति का सच्चा स्वरूप क्या है?

(i) पूजा-पाठ करना
(ii) मन चंचल होना
(iii) माला जपना
(iv) सच्चे हृदय से भक्ति करना

(ख) उपर्युक्त दोहे में 'आतप' से कवि बिहारी का क्या अभिप्राय है?

(i) चंद्र प्रभा
(ii) सूर्य प्रभा
(iii) आपत्ति
(iv) पर्वत

(ग) श्री कृष्ण के श्यामल शरीर पर पीले रंग के वस्त्र कैसे लगते हैं?

(i) सूर्यास्त की सुंदरता के समान

(ii) प्रात:कालीन सूर्य की किरणों के समान

(iii) नीलमणि पर्वत पर पड़ने वाले सूर्यास्त के प्रकाश के समान

(iv) नीलमणि पर्वत पर पड़ने वाली प्रात:कालीन किरणों के समान

(घ) 'मन काँचे नाचै वृथा' से क्या अभिप्राय है?

(i) मन की प्रवृत्ति चंचल होती है।

(ii) मन काँच के समान होता है।

(iii) मन ईश्वर के वश में नहीं रहता।

(iv) मन नियंत्रित रहता है।

(ङ) 'स्याम सलोने' किसके लिए प्रयुक्त किया गया है?

(i) राम (ii) कृष्ण

(iii) नीलमणि (iv) सूर्य

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए- (2×5=10)

(क) 'दृढ़ विश्वास परम शक्ति है।' 'जीवन का सच' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'असल धन' पाठ के आधार पर लिखिए कि शाह की उलझन का क्या कारण था?

(ग) सोना को छोटे बच्चे अधिक प्रिय क्यों थे?

(घ) पाठ 'पौधे के पंख' में लेखक की माँ और दादी उसे दूसरे बच्चों के साथ खेलने क्यों नहीं देते थे?

(ङ) 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए–स्वाभाविक मधुर मुस्कान सभी को आकृष्ट करती है।

(च) श्रीराम राजू की किस बात ने कोया आदिवासियों को प्रेरित किया?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2×3=6)

(क) 'दोपहरी' कविता में गर्मी ने वृक्षों को किस प्रकार प्रभावित किया?

(ख) कवि ने 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' में पक्षियों की आकुल उड़ान में विघ्न ना डालने की बात क्यों की है?

(ग) 'निर्माण' कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'सूर और तुलसी के पद' पाठ के आधार पर श्रीराम की बाल-क्रीडाओं का वर्णन कीजिए।

खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से **<u>किसी एक</u>** विषय पर (80–100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए–(5)

(क) स्वच्छता : स्वस्थ रहने का मंत्र

- स्वच्छता का महत्त्व
- सरकार द्वारा चलाया गया अभियान
- परिवेश को स्वच्छ रखने के उपाय

(ख) पर्व : हमारी सांस्कृतिक विरासत

- पर्व का अर्थ एवं प्रकार
- जीवन में पर्वों का महत्त्व एवं जीवन मूल्य
- पर्व जीवंतता के प्रतीक

(ग) मेरी हिंदी मेरा गौरव

- भाषा का महत्त्व
- वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता
- उज्ज्वल भविष्य का आधार

16. विद्यालय के साहित्यिक क्लब के सचिव की ओर से 'काव्य-पाठ प्रतियोगिता' आयोजित करवाने हेतु प्रधानाचार्य जी को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आप छात्रावास में रहते हैं। विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के कारण आपकी पढ़ाई उपेक्षित नहीं होगी-यह विश्वास दिलाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति हेतु अपने अभिभावक को पत्र लिखिए।

17. अच्छे मतदाता के गुणों के विषय में दो मित्रों के बीच में हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। (5)

अथवा

घर के बुजुर्गों के प्रति सम्मान एवं देखभाल के विषय पर दो मित्रों के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

18. आपके घर के निकट के पार्क में लोग गंदगी फैलाते हैं। कॉलोनी की स्वच्छता समिति के सचिव की ओर से जन-सामान्य के लिए पार्क में खाने-पीने का सामान ले जाने एवं गंदगी फैलाने संबंधी निषेधआज्ञा जारी करते हुए एक सूचना तैयार कीजिए। (5)

अथवा

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में करवाई जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के विषय में बताते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष की ओर से सूचना लिखिए।